

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥

सत्यप्रवेश, प्रेमप्रवास, आनंदसाधना मातृवात्सल्य विन्दनम्
या ग्रंथांचे रोज एका पानाचे वाचन बकुळसिंह पैगिणकर नाशीक,
यानी जसे केले त्या त्यांच्या अनुभवावरून ही खालील अनुक्रमणिका तयार
केलेली आहे. उद्देश एकच जर कुणा श्रद्धावानाला वेळेचे भान ठेवून जर हे
पारायण करायचे असेल तर त्याला थोडी फार मदत व्हावी एवढेच. हरि ॐ

| अनुक्रमणिका | |
|-------------|----------------------------|
| पान क्रमांक | तपशील |
| १ | अनुक्रमणिका |
| २ | सत्यप्रवेश नित्य पठण पान १ |
| ३ | सत्यप्रवेश नित्य पठण पान २ |
| ४ | सत्यप्रवेश नित्य पठण पान ३ |
| ५ | पुरुषार्थगंगा १ |
| ६ | पुरुषार्थगंगा २ |
| ७ | सत्यप्रवेश & मातृवात्सल्य |
| ८ | सत्यप्रवेश मासिक |
| ९ | प्रेमप्रवास रोज १ |
| १० | प्रेमप्रवास रोज २ |
| ११ | आनंदसाधना रोज १ |
| १२ | आनंदसाधना रोज २ |
| १३ | आनंदसाधना रोज ३ |
| १४ | मातृवात्सल्य पाक्षिक |
| १५ | प्रेमप्रवास मासिक |
| १६ | सत्यप्रवेश मासिक १ |
| १७ | सत्यप्रवेश मासिक २ |
| १८ | मातृवात्सल्य रोज १ |
| १९ | मातृवात्सल्य रोज २ |
| २० | अनुक्रमणिका सत्यप्रवेश १ |
| २१ | अनुक्रमणिका सत्यप्रवेश २ |
| २२ | अनुक्रमणिका प्रेमप्रवास १ |
| २३ | अनुक्रमणिका प्रेमप्रवास २ |
| २४ | अनुक्रमणिका प्रेमप्रवास ३ |
| २५ | अनुक्रमणिका आनंदसाधना १ |
| २६ | अनुक्रमणिका आनंदसाधना २ |
| २७ | अनुक्रमणिका आनंदसाधना ३ |
| २८ | अनुक्रमणिका आनंदसाधना ४ |

॥ हरि ॐ ॥

॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥

अनुक्रमणिका

श्रीमदपुरुषार्थः (अर्थात् सत्यस्मृति)

प्रथमः खण्डः सत्यप्रवेशः

या ग्रंथांचे रोज एका पानाचे वाचन बकुळसिंह पैगिणकर नाशीक,
यानी जसे केले त्या त्यांच्या अनुभवावरून ही खालील अनुक्रमणिका तयार
केलेली आहे. उद्देश एकच जर कुणा श्रद्धावानाला वेळेचे भान ठेवून जर हे
पारायण करायचे असेल तर त्याला थोडी फार मदत व्हावी एवढेच. हरि ॐ

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | चरण | | पाने | |
|-------|--------|-----------------------------------|-------|------|-------|------|
| | | | रोजची | एकुण | रोजची | एकुण |
| पहिला | | पान क्र.१ ते २२ | | | 22 | 22 |
| पहिला | | पान क्र. २३ व २४ | 4 | 4 | 2 | 24 |
| दुसरा | | पान क्र. २५ (प्रार्थना ०१) | 1 | 5 | 1 | 25 |
| तिसरा | | पान क्र. २६ | 3 | 8 | 1 | 26 |
| चौथा | | पान क्र. २७ | 2 | 10 | 1 | 27 |
| ५ वा | | पान क्र. २८ ते ३२ | 3 | 13 | 5 | 32 |
| ६ वा | | पान क्र. ३३ ते ३५ | 5 | 18 | 3 | 35 |
| ७ वा | | पान क्र. ३६ ते ३८ | 4 | 22 | 3 | 38 |
| ८ वा | | पान क्र. ३९ ते ४५ | 2 | 24 | 7 | 45 |
| ९ वा | | पान क्र. ४६ ते ४८ | 2 | 26 | 3 | 48 |
| १० वा | | पान क्र. ४९ ते ५१ | 2 | 28 | 3 | 51 |
| ११ वा | | पान क्र. ५२ ते ५४ | 3 | 31 | 3 | 54 |
| १२ वा | | पान क्र. ५५ व ५६ (प्रार्थना ०२) | 1 | 32 | 2 | 56 |
| १३ वा | | पान क्र. ५७ ते ६४ | 3 | 35 | 8 | 64 |
| १४ वा | | प्रमाण ०१ | | 35 | 2 | 66 |
| १५ वा | | पान क्र. ६५ ते ६८ | 2 | 37 | 2 | 68 |
| १६ वा | | पान क्र. ६९ ते ७१ | 2 | 39 | 3 | 71 |
| १७ वा | | पान क्र. ७२ ते ७४ | 2 | 41 | 3 | 74 |
| १८ वा | | पान क्र. ७५ ते ७७ | 3 | 44 | 3 | 77 |
| १९ वा | | पान क्र. ७९ ते ८० | 2 | 46 | 3 | 80 |
| २० वा | | पान क्र. ८१ ते ८४ | 1 | 47 | 4 | 84 |
| २१ वा | | पान क्र. ८५ ते ८७ | 1 | 48 | 3 | 87 |
| २२ वा | | पान क्र. ८८ ते ९१ | 2 | 50 | 4 | 91 |
| २३ वा | | प्रमाण ०२ वज्रांग वचन | | 50 | 1 | 92 |
| २४ वा | | पान क्र. ९३ | 1 | 51 | 1 | 93 |
| २५ वा | | पान क्र. ९४ | 1 | 52 | 1 | 94 |
| २६ वा | | पान क्र. ९५ ते ९८ | 2 | 54 | 4 | 98 |
| २७ वा | | पान क्र. ९९ ते १०१ | 1 | 55 | 3 | 101 |
| २८ वा | | पान क्र. १०२ ते १०७ | 2 | 57 | 6 | 107 |
| २९ वा | | प्रार्थना ०३ | | 57 | 1 | 108 |
| ३० वा | | पान क्र. १०९ ते ११४ | 3 | 60 | 6 | 114 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका

श्रीमदपुरुषार्थः (अर्थात् सत्यस्मृति) प्रथमः खण्डः सत्यप्रवेशः

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | चरण | | पाने | |
|-------|--------|--|-------|------|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण | रोजची | एकूण |
| ३१ वा | | पान क्र. ११५ ते १२० | 1 | 61 | 6 | 120 |
| ३२ वा | | प्रार्थना ०४ | | 61 | 2 | 122 |
| ३३ वा | | पान क्र. १२१ ते १२४ | 1 | 62 | 2 | 124 |
| ३४ वा | | पान क्र. १२५ | 1 | 63 | 1 | 125 |
| ३५ वा | | पान क्र. १२६ ते १३० | 2 | 65 | 5 | 130 |
| ३६ वा | | पान क्र. १३१ ते १३३ | 1 | 66 | 3 | 133 |
| ३७ वा | | प्रमाण ०३ | | 66 | 3 | 136 |
| ३८ वा | | पान क्र. १३७ ते १४३ | 4 | 70 | 7 | 143 |
| ३९ वा | | पान क्र. १४४ ते १४८ | 2 | 72 | 5 | 148 |
| ४० वा | | पान क्र. १४९ ते १५४ | 1 | 73 | 6 | 154 |
| ४१ वा | | प्रार्थना ०५ प्रमाण ०४ | | 73 | 2 | 156 |
| ४२ वा | | पान क्र. १५७ ते १६५ | 1 | 74 | 9 | 165 |
| ४३ वा | | प्रार्थना ०६ | | 74 | 1 | 166 |
| ४४ वा | | प्रार्थना ०७ व पान क्र. १६७ ते १७६ | 1 | 75 | 10 | 176 |
| ४५ वा | | पान क्र. १७७ ते १७८ | 1 | 76 | 2 | 178 |
| ४६ वा | | पान क्र. १७९ ते १८१ | 1 | 77 | 3 | 181 |
| ४७ वा | | चरण प्रार्थना ०८ (मायेचा प्रांत) | 1 | 78 | 10 | 191 |
| ४८ वा | | प्रार्थना ०९ | | 78 | 2 | 193 |
| ४९ वा | | व्यवहारिक जीवन व अध्यात्म | | 78 | 2 | 195 |
| ५० वा | | वास्तवाचे भान | | 78 | 3 | 198 |
| ५१ वा | | चतुर्वर्ग | | 78 | 7 | 205 |
| ५२ वा | | धर्म | | 78 | 7 | 212 |
| ५३ वा | | प्रार्थना १० | | 78 | 3 | 215 |
| ५४ वा | | धर्म हा पुरुषार्थ कसा प्राप्त करावयाचा | | 78 | 7 | 222 |
| ५५ वा | | किंवा प्राप्त करून घ्यायचा. हरि ॐ | | 78 | | 222 |
| ५६ वा | | सत्य | | 78 | 6 | 228 |
| ५७ वा | | प्रार्थना ११ | | 78 | 1 | 229 |
| ५८ वा | | अस्त्येय | | 78 | 2 | 231 |
| ५९ वा | | दया व क्षमा | | 78 | 3 | 234 |
| ६० वा | | दम व अक्रोध | | 78 | 4 | 238 |
| ६१ वा | | दान | | 78 | 6 | 244 |
| ६२ वा | | प्रमाण ०५ | | 78 | 1 | 245 |
| ६३ वा | | आस्तिकबुद्धी व प्रमाण ०६ | | 78 | 8 | 253 |
| ६४ वा | | श्रद्धा, साधना व प्रमाण ०७ | | 78 | 11 | 264 |
| ६५ वा | | अभ्यास, परोपकार, अहिंसा व समबुद्धी | | 78 | 10 | 274 |
| ६६ वा | | प्रार्थना १२ | | 78 | 1 | 275 |
| ६७ वा | | काम | | 78 | 4 | 279 |
| ६८ वा | | अर्थ | | 78 | 2 | 281 |
| ६९ वा | | मोक्ष | | 78 | 6 | 287 |
| ७० वा | | भक्ती (I, II, III) प्रमाण ०८ व ०९ | | 78 | 11 | 298 |
| ७१ वा | | मर्यादा, द्वितीय खंड व भरतवाक्यम् | | | 28 | 326 |

॥ हरि ॐ ॥
 ॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
 अनुक्रमणिका
 मधुफलवाटिका (छोटे पुस्तक) रोजचे दोन पानाचे पठण

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | भाग | | पाने | |
|--------|--------|------------------|-------|------|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण | रोजची | एकूण |
| ७२ वा | | मधुफलवाटिका पाने | 7 | 7 | 9 | 9 |
| ७३ वा | | | 4 | 11 | 2 | 11 |
| ७४ वा | | | 8 | 19 | 4 | 15 |
| ७५ वा | | | 6 | 25 | 3 | 18 |
| ७६ वा | | मधुफलवाटिका पाने | 5 | 30 | 2 | 20 |
| ७७ वा | | | 8 | 38 | 3 | 23 |
| ७८ वा | | | 5 | 43 | 2 | 25 |
| ७९ वा | | | 8 | 51 | 4 | 29 |
| ८० वा | | | 4 | 55 | 2 | 31 |
| ८१ वा | | मधुफलवाटिका पाने | 8 | 63 | 2 | 33 |
| ८२ वा | | | 12 | 75 | 9 | 42 |
| ८३ वा | | | 11 | 86 | 6 | 48 |
| ८४ वा | | | 8 | 94 | 4 | 52 |
| ८५ वा | | | 7 | 101 | 2 | 54 |
| ८६ वा | | मधुफलवाटिका पाने | 10 | 111 | 6 | 60 |
| ८७ वा | | | 2 | 113 | 3 | 63 |
| ८८ वा | | | 8 | 121 | 3 | 66 |
| ८९ वा | | | 8 | 129 | 2 | 68 |
| ९० वा | | | 3 | 132 | 1 | 69 |
| ९१ वा | | मधुफलवाटिका पाने | 15 | 147 | 8 | 77 |
| ९२ वा | | | 12 | 159 | 4 | 81 |
| ९३ वा | | | 8 | 167 | 3 | 84 |
| ९४ वा | | | 4 | 171 | 3 | 87 |
| ९५ वा | | | 9 | 180 | 5 | 92 |
| ९६ वा | | मधुफलवाटिका पाने | 11 | 191 | 4 | 96 |
| ९७ वा | | | 8 | 199 | 3 | 99 |
| ९८ वा | | | 2 | 201 | 3 | 102 |
| ९९ वा | | | 8 | 209 | 4 | 106 |
| १०० वा | | | 10 | 219 | 3 | 109 |
| १०१ वा | | मधुफलवाटिका पाने | 7 | 226 | 5 | 114 |
| १०२ वा | | | 9 | 235 | 4 | 118 |
| १०३ वा | | | 17 | 252 | 6 | 124 |
| १०४ वा | | | 12 | 264 | 4 | 128 |
| १०५ वा | | | 8 | 272 | 4 | 132 |
| १०६ वा | | मधुफलवाटिका पाने | 8 | 280 | 2 | 134 |
| १०७ वा | | | 4 | 284 | 2 | 136 |

॥ इती श्री अनिरुद्धार्पणमस्तु ॥
 प.पू.बापूचरणी सर्व श्रद्धावानासाठी.

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
पुरुषार्थगंगा भाग ०१ (छोटे पुस्तक) रोजचे दोन पानाचे पठण

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | आचमन | | पाने | |
|-------|--------|--------------------|-------|------|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण | रोजची | एकूण |
| पहिला | | पुरुषार्थगंगा पाने | 1 | 1 | 6 | 6 |
| दुसरा | | | 2 | 3 | 1 | 7 |
| तिसरा | | | 3 | 6 | 7 | 14 |
| चौथा | | | 3 | 9 | 2 | 16 |
| ५ वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 7 | 16 | 10 | 26 |
| ६ वा | | | 4 | 20 | 10 | 36 |
| ७ वा | | | 3 | 23 | 2 | 38 |
| ८ वा | | | 17 | 40 | 12 | 50 |
| ९ वा | | | 7 | 47 | 4 | 54 |
| १० वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 7 | 54 | 4 | 58 |
| ११ वा | | | 5 | 59 | 4 | 62 |
| १२ वा | | | 7 | 66 | 4 | 66 |
| १३ वा | | | 7 | 73 | 6 | 72 |
| १४ वा | | | 6 | 79 | 4 | 76 |
| १५ वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 9 | 88 | 12 | 88 |
| १६ वा | | | 15 | 103 | 10 | 98 |
| १७ वा | | | 8 | 111 | 4 | 102 |
| १८ वा | | | 11 | 122 | 8 | 110 |
| १९ वा | | | 10 | 132 | 7 | 117 |
| २० वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 2 | 134 | 2 | 119 |
| २१ वा | | | 3 | 137 | 17 | 136 |
| २२ वा | | | 3 | 140 | 4 | 140 |
| २३ वा | | | 5 | 145 | 7 | 147 |
| २४ वा | | | 5 | 150 | 4 | 151 |
| २५ वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 2 | 152 | 2 | 153 |
| २६ वा | | | 3 | 155 | 7 | 160 |
| २७ वा | | | 10 | 165 | 6 | 166 |
| २८ वा | | | 4 | 169 | 3 | 169 |
| २९ वा | | | 3 | 172 | 2 | 171 |
| ३० वा | | | 4 | 176 | 4 | 175 |

पुरुषार्थगंगा भाग ०२ (छोटे पुस्तक) रोजचे दोन पानाचे पठण

| | | | | | | |
|-------|--|--------------------|---|-----|---|----|
| ३१ वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 2 | 178 | 5 | 5 |
| ३२ वा | | | 8 | 186 | 8 | 13 |
| ३३ वा | | | 1 | 187 | 2 | 15 |
| ३४ वा | | | 2 | 189 | 2 | 17 |
| ३५ वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 4 | 193 | 3 | 20 |
| ३६ वा | | | 6 | 199 | 4 | 24 |
| ३७ वा | | | 3 | 202 | 3 | 27 |
| ३८ वा | | | 1 | 203 | 4 | 31 |
| ३९ वा | | | 5 | 208 | 6 | 37 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
पुरुषार्थगंगा भाग ०२ (छोटे पुस्तक) रोजचे दोन पानाचे पठण

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | आचमन | | पाने | |
|-------|--------|--------------------|-------|------|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण | रोजची | एकूण |
| ४० वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 4 | 212 | 3 | 40 |
| ४१ वा | | | 8 | 220 | 5 | 45 |
| ४२ वा | | | 7 | 227 | 5 | 50 |
| ४३ वा | | | 3 | 230 | 4 | 54 |
| ४४ वा | | | 5 | 235 | 3 | 57 |
| ४५ वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 2 | 237 | 2 | 59 |
| ४६ वा | | | 6 | 243 | 7 | 66 |
| ४७ वा | | | 9 | 252 | 8 | 74 |
| ४८ वा | | | 6 | 258 | 5 | 79 |
| ४९ वा | | | 2 | 260 | 3 | 82 |
| ५० वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 7 | 267 | 7 | 89 |
| ५१ वा | | | 4 | 271 | 6 | 95 |
| ५२ वा | | | 3 | 274 | 3 | 98 |
| ५३ वा | | | 6 | 280 | 5 | 103 |
| ५४ वा | | | 10 | 290 | 8 | 111 |
| ५५ वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 4 | 294 | 3 | 114 |
| ५६ वा | | | 3 | 297 | 2 | 116 |
| ५७ वा | | | 5 | 302 | 5 | 121 |
| ५८ वा | | | 7 | 309 | 7 | 128 |
| ५९ वा | | | 3 | 312 | 7 | 135 |
| ६० वा | | पुरुषार्थगंगा पाने | 2 | 314 | 2 | 137 |
| ६१ वा | | | 9 | 323 | 7 | 144 |
| ६२ वा | | | 6 | 329 | 4 | 148 |
| ६३ वा | | | 3 | 332 | 2 | 150 |
| ६४ वा | | | 8 | 340 | 8 | 158 |

॥ इती श्री अनिरुद्धार्पणमस्तु ॥
प.पू.बापूचरणी सर्व श्रद्धावानासाठी.

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमद्पुरुषार्थ सत्यप्रवेश खंड ०१ साप्ताहिक पारायण
गुरुवार ते गुरुवार

| दिवस | वार | दिनांक | वाचन / कृती | पाने | |
|-------|----------|--------|--|-------|------|
| | | | | रोजची | एकूण |
| पहिला | गुरुवार | | चरण ०१ ते २४ पर्यंत | 45 | 45 |
| दुसरा | शुक्रवार | | चरण २५ ते ५० पर्यंत वज्रांग वचन | 47 | 92 |
| तिसरा | शनीवार | | चरण ५१ ते ६६ पर्यंत प्रमान ०३ | 44 | 136 |
| चौथा | रविवार | | चरण ६७ ते ७८ पर्यंत बाह्यमन,अंतर्मन व | 55 | 191 |
| ५ वा | सोमवार | | धर्म पुरुषार्थ, क्षमा (४) प्रार्थना ०९ | 43 | 234 |
| ६ वा | मंगळवार | | दम ते अर्थ पुरुषार्थ | 47 | 281 |
| ७ वा | बुधवार | | मोक्ष ते मर्यादा पुरुषार्थ | 35 | 316 |
| ८ वा | गुरुवार | | द्वितीय खंड ते गायत्री माता | 11 | 327 |
| | | | | | |

मातृवात्सल्यविन्दानम् नवरात्र पठण

| तिथी | वार | दिनांक | वाचन / कृती | अध्याय | |
|----------|----------|--------|----------------------------------|--------|------|
| | | | | रोजचे | एकूण |
| प्रतिपदा | मंगळवार | | गायत्री खंड (०१ ते ०३) | 3 | 3 |
| व्दितीया | बुधवार | | महिषासुरमर्दिनी खंड (०४ ते १०) | 7 | 10 |
| तृतीया | गुरुवार | | महिषासुरमर्दिनी खंड (११ ते १५) | 5 | 15 |
| चतुर्थी | गुरुवार | | महिषासुरमर्दिनी खंड (१६ ते २०) | 5 | 20 |
| पंचमी | शुक्रवार | | महिषासुरमर्दिनी खंड (२१ ते २५) | 5 | 25 |
| शष्ठी | शनीवार | | महिषासुरमर्दिनी खंड (२६ ते ३१) | 6 | 31 |
| सप्तमी | रविवार | | अनसूया खंड (३२ ते ३५) | 4 | 35 |
| अष्टमी | सोमवार | | अनसूया खंड (३६ ते ४०) | 5 | 40 |
| नवमी | मंगळवार | | अनसूया खंड (४१ ते ४५) | 5 | 45 |
| दसरा | बुधवार | | उद्यापन | | |

॥ इती श्री अनिरुद्धार्पणमस्तु ॥
प.पू.बापूचरणी सर्व श्रद्धावानासाठी.

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थ सत्यप्रवेश खंड ०१ मासिक पारायण

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | चरण | | पाने | |
|-------|--------|---|-------|------|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण | रोजची | एकूण |
| पहिला | | पान क्र. १ ते २२ | | 0 | 22 | 22 |
| पहिला | | चरण | 4 | 4 | 2 | 24 |
| दुसरा | | | 12 | 16 | 10 | 34 |
| तिसरा | | | 8 | 24 | 11 | 45 |
| चौथा | | | 4 | 28 | 6 | 51 |
| ५ वा | | | 3 | 31 | 3 | 54 |
| ६ वा | | | 1 | 32 | 2 | 56 |
| ७ वा | | | 3 | 35 | 8 | 64 |
| ८ वा | | प्रमाण ०१ | | 35 | 2 | 66 |
| ९ वा | | चरण | 11 | 46 | 14 | 80 |
| १० वा | | प्रमाण ०२ वज्रांग वचन | 4 | 50 | 11 | 91 |
| ११ वा | | चरण | 2 | 52 | 3 | 94 |
| १२ वा | | | 5 | 57 | 13 | 107 |
| १३ वा | | | 5 | 62 | 17 | 124 |
| १४ वा | | प्रमाण ०३ | 4 | 66 | 12 | 136 |
| १५ वा | | चरण | 6 | 72 | 12 | 148 |
| १६ वा | | प्रार्थना ०५ प्रमाण ०४ | 1 | 73 | 8 | 156 |
| १७ वा | | प्रार्थना ०६ | 1 | 74 | 10 | 166 |
| १८ वा | | प्रार्थना ०७ | 1 | 75 | 10 | 176 |
| १९ वा | | चरण प्रार्थना ०८ (मायेचा प्रांत) | 3 | 78 | 15 | 191 |
| २० वा | | प्रार्थना ०९ | | 78 | 2 | 193 |
| २१ वा | | व्यवहारिक जीवन व अध्यात्म वास्तवाचे | | 78 | 12 | 205 |
| २२ वा | | धर्म हा पुरुषार्थ कसा प्राप्त करावयाचा | | 78 | 17 | 222 |
| २३ वा | | धर्म पुरुषार्थ अंग ०१ ते ०४ | | 78 | 12 | 234 |
| २४ वा | | प्रार्थना ११ धर्म पुरुषार्थ अंग ०५ ते ०७ | | 78 | 11 | 245 |
| २५ वा | | धर्म पुरुषार्थ अंग ०८ ते १० प्रमाण ०६-०७ | | 78 | 19 | 264 |
| २६ वा | | धर्म पुरुषार्थ अंग ११ ते १४, प्रार्थना १२ | | 78 | 11 | 275 |
| २७ वा | | काम पुरुषार्थ | | 78 | 4 | 279 |
| २८ वा | | अर्थ व मोक्ष पुरुषार्थ | | 78 | 8 | 287 |
| २९ वा | | भक्ती पुरुषार्थ | | 78 | 12 | 299 |
| ३० वा | | मर्यादा पुरुषार्थ | | | 17 | 316 |
| ३१ वा | | द्वितीय खंड व भरतवाक्यम् | | | 11 | 327 |

॥ इती श्री अनिरुद्धार्पणमस्तु ॥
प.पू.बापूचरणी सर्व श्रद्धावानासाठी.

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थ प्रेमप्रवास खंड ०२ वाचन रोज एक दोन पाने

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | पाने | |
|-------|--------|---|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण |
| पहिला | | आरंभ व ब्रम्ह | 15 | 15 |
| दुसरा | | परापूजा व दत्तगुरु | 5 | 20 |
| तिसरा | | ना-मी | 3 | 23 |
| चौथा | | मानसपूजा | 1 | 24 |
| ५ वा | | परापूजा | 2 | 26 |
| ६ वा | | परब्रम्ह परमपुरुषापासून विश्व निर्माण (०१) | 2 | 28 |
| ७ वा | | परब्रम्ह परमपुरुषापासून विश्व निर्माण (०२) | 2 | 30 |
| ८ वा | | जिवात्मा ०१ (भाग २ आरंभ) | 4 | 34 |
| ९ वा | | जिवात्मा ०२ (भाग २ पूर्ण) व नामी | 10 | 44 |
| १० वा | | प्राण | 2 | 46 |
| ११ वा | | जाणिव, ऋत आणि कर्ता | 3 | 49 |
| १२ वा | | त्रिगुण | 5 | 54 |
| १३ वा | | पंचमहाभूते | 2 | 56 |
| १४ वा | | अंतःकरण चतुष्टय | 1 | 57 |
| १५ वा | | मन | 5 | 62 |
| १६ वा | | चार केंद्रे (भाग ०१) | 3 | 65 |
| १७ वा | | चार केंद्रे (भाग ०२), गुण १ ते ६ | 6 | 71 |
| १८ वा | | गुण ७ ते १४ | 6 | 77 |
| १९ वा | | ०१) समर्थ व तृप्त व्यक्तिमत्व | 3 | 80 |
| २० वा | | ०२) समर्थ व परंतु अतृप्त व्यक्तिमत्व | 4 | 84 |
| २१ वा | | ०३) असमर्थ व अतृप्त व्यक्तिमत्व | 7 | 91 |
| २२ वा | | पंचमुख हनुमान पवित्र स्तोत्र | 3 | 94 |
| २३ वा | | ॥ श्रीरंग ॥ पुरुषार्थ, पराक्रम, स्पष्टाक्षराय, सत्यप्रवेश-मर्यादा | 4 | 98 |
| २४ वा | | माझे पंचगुरु | 1 | 99 |
| २५ वा | | मर्यादा पुरुषार्थाचे नवविधा निर्धार ०१ ते ०९ | 2 | 101 |
| २६ वा | | नवचक्र विचार | 16 | 117 |
| २७ वा | | आम्हाला कसे फसविले जाते | 2 | 119 |
| २८ वा | | मर्यादा मार्गाची परिभाषा | 2 | 121 |
| २९ वा | | मर्यादा मार्ग | 3 | 124 |
| ३० वा | | मर्यादा मार्गाची परिभाषा | 2 | 126 |
| ३१ वा | | रावण | 4 | 130 |
| ३२ वा | | दत्तगुरु अनंत गुणाचा साठा आहे आष्टबीज ऐश्वर्य नव-अंकुर | 5 | 135 |
| ३३ वा | | दात्तगुरु | 8 | 143 |
| ३४ वा | | श्रीरामपंचायन प्रतिमा, ना-मी, परमात्मा | 8 | 151 |
| ३५ वा | | मी रामाचे वानर का व्हावे? | 5 | 156 |
| ३६ वा | | मर्यादा पुरुषार्थ श्रेष्ठ का? | 9 | 165 |
| ३७ वा | | दैव श्रेष्ठ की पुरुषार्थ, मी कोण आहे | 5 | 170 |
| ३८ वा | | युद्ध | 2 | 172 |
| ३९ वा | | नवविधा निर्धार ०१ | 32 | 204 |
| ४० वा | | नवविधा निर्धार ०२ | 36 | 240 |

॥ हरि ॐ ॥
 ॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
 अनुक्रमणिका
 श्रीमदपुरुषार्थ प्रेमप्रवास खंड ०२ वाचन रोज एक दोन पाने

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | पाने | |
|-------|--------|---|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण |
| ४१ वा | | नवविधा निर्धार ०३ | 24 | 264 |
| ४२ वा | | नवविधा निर्धार ०४ | 38 | 302 |
| ४३ वा | | नवविधा निर्धार ०५ | 10 | 312 |
| ४४ वा | | नवविधा निर्धार ०६ | 18 | 330 |
| ४५ वा | | नवविधा निर्धार ०७ | 12 | 342 |
| ४६ वा | | नवविधा निर्धार ०८ | 4 | 346 |
| ४७ वा | | नवविधा निर्धार ०९ | 3 | 349 |
| ४८ वा | | उद्धरेत आत्मात् आत्मानम् श्रीसाईनाम, गुरुमंत्र | 9 | 358 |
| ४९ वा | | पुनर्जन्म | 6 | 364 |
| ५० वा | | मार्गदर्शक पूर्वसूरी | 4 | 368 |
| ५१ वा | | मधुफल वाटिका | 12 | 380 |
| ५२ वा | | मधुफल वाटिका | 10 | 390 |
| ५३ वा | | मधुफल वाटिका | 12 | 402 |
| ५४ वा | | मधुफल वाटिका | 11 | 413 |
| ५५ वा | | मधुफल वाटिका | 11 | 424 |
| ५६ वा | | मधुफल वाटिका | 11 | 435 |
| ५७ वा | | मधुफल वाटिका | 12 | 447 |
| ५८ वा | | अंतिम रहस्य, तृतीय खंडाचे घटक सूत्र, भरतवाक्यम् | 4 | 451 |

॥ इती श्री अनिरुद्धार्पणमस्तु ॥
 प.पू.बापूचरणी सर्व श्रद्धावानासाठी.

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थ आनंदसाधना खंड ०३ वाचन रोज एक दोन पाने

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | पाने | |
|-------|--------|---|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण |
| पहिला | | आरंभ ते श्री दत्तगुरु प्रतिमा | 10 | 10 |
| दूसरा | | नाम | 5 | 15 |
| तिसरा | | रामनाम | 2 | 17 |
| चौथा | | संत रामदास स्वामी, मनाचे श्लोक | 3 | 20 |
| ५ वा | | कृष्णनाम, शिवनाम | 1 | 21 |
| ६ वा | | गुरुनाम, हरि नाम | 1 | 22 |
| ७ वा | | मंत्र | 8 | 30 |
| ८ वा | | गायत्री मंत्र व प्रतिमा | 8 | 38 |
| ९ वा | | दत्तमाला मंत्र व परिशिष्ट ०१ | 1 | 39 |
| १० वा | | दत्तलिला मंत्र | 1 | 40 |
| ११ वा | | ईशावास्य मंत्र | 2 | 42 |
| १२ वा | | ॐ श्री रामदूताय हनुमंताय महाप्राणाय महाबलाय नमो नमः | 2 | 44 |
| १३ वा | | महामृत्यंजय मंत्र | 4 | 48 |
| १४ वा | | प्रार्थना | 3 | 51 |
| १५ वा | | स्तोत्र व परिशिष्ट (२,३,४), श्रीरामपंचायतन, विजय मंत्र | 5 | 56 |
| १६ वा | | पूजन, प्रतिकोपसना | 6 | 62 |
| १७ वा | | नित्य, नैमित्तिक, विशेष पूजन, आरती आशिर्वाद | 6 | 68 |
| १८ वा | | लोटांगण | 2 | 70 |
| १९ वा | | नैवेद्यम् | 2 | 72 |
| २० वा | | ॐ गं गणपतये नमः, परिशिष्ट ५ | 3 | 75 |
| २१ वा | | साकार रूप | 1 | 76 |
| २२ वा | | प्रदक्षिणा | 2 | 78 |
| २३ वा | | क्षमा याचना | 2 | 80 |
| २४ वा | | मंगल कलश | 3 | 83 |
| २५ वा | | उपवास व व्रते | 2 | 85 |
| २६ वा | | व्रते (वानप्रस्थाश्रम पर्यंत) | 8 | 93 |
| २७ वा | | पापनाशक व्रते | 1 | 94 |
| २८ वा | | देवयान व्रते ते अध्ययन व्रते | 1 | 95 |
| २९ वा | | श्री वर्धमान व्रताधिराज प्रस्तावना, कृती श्रीहनुमंत प्रतिमा | 13 | 108 |
| ३० वा | | यंत्र व कवच | 3 | 111 |
| ३१ वा | | कवच | 2 | 113 |
| ३२ वा | | यज्ञ | 5 | 118 |
| ३३ वा | | यज्ञ ०१ ते ०५ | 5 | 123 |
| ३४ वा | | यज्ञ ०६ ते ०८ श्री बापूंचे वचन | 5 | 128 |
| ३५ वा | | तपश्चर्या व भगिरिथी तपश्चर्या | 5 | 133 |
| ३६ वा | | आन्हिक, श्रीसाईराम, गुरुमंत्र, श्रीस्वामी समर्थ तारक मंत्र | 7 | 140 |
| ३७ वा | | पुरुषार्थगंगा व अभ्यास | 4 | 144 |
| ३८ वा | | आचमन | 5 | 149 |
| ३९ वा | | आचमन | 5 | 154 |
| ४० वा | | आचमन | 4 | 158 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थ आनंदसाधना खंड ०३ वाचन रोज एक दोन पाने

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | पाने | |
|-------|--------|--|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण |
| ४१ वा | | आचमन | 5 | 163 |
| ४२ वा | | आचमन | 3 | 166 |
| ४३ वा | | आचमन | 8 | 174 |
| ४४ वा | | आचमन | 2 | 176 |
| ४५ वा | | आचमन | 3 | 179 |
| ४६ वा | | आचमन | 3 | 182 |
| ४७ वा | | आचमन | 6 | 188 |
| ४८ वा | | आचमन | 4 | 192 |
| ४९ वा | | आचमन | 4 | 196 |
| ५० वा | | आचमन | 4 | 200 |
| ५१ वा | | आचमन | 2 | 202 |
| ५२ वा | | शरणागती व ॐ सह नौ भुनक्तु | 8 | 210 |
| ५३ वा | | आचमन | 1 | 211 |
| ५४ वा | | आचमन | 4 | 215 |
| ५५ वा | | आचमन | 4 | 219 |
| ५६ वा | | आचमन | 4 | 223 |
| ५७ वा | | आचमन | 5 | 228 |
| ५८ वा | | आचमन | 5 | 233 |
| ५९ वा | | आचमन | 7 | 240 |
| ६० वा | | आचमन | 5 | 245 |
| ६१ वा | | आचमन | 5 | 250 |
| ६२ वा | | आचमन | 5 | 255 |
| ६३ वा | | आचमन | 5 | 260 |
| ६४ वा | | आचमन | 5 | 265 |
| ६५ वा | | आचमन | 5 | 270 |
| ६६ वा | | आचमन | 7 | 277 |
| ६७ वा | | आचमन | 3 | 280 |
| ६८ वा | | आचमन | 6 | 286 |
| ६९ वा | | आचमन | 3 | 289 |
| ७० वा | | आचमन | 5 | 294 |
| ७१ वा | | आचमन | 4 | 298 |
| ७२ वा | | आचमन | 4 | 302 |
| ७३ वा | | आचमन | 1 | 303 |
| ७४ वा | | आचमन | 1 | 304 |
| ७५ वा | | श्रद्धावानांच्या नव् समान निष्ठा | 2 | 306 |
| ७६ वा | | श्रीहस्तमूद्रा व परिशिष्ट ०१ दत्तमालामंत्र | 4 | 310 |
| ७७ वा | | परिशिष्ट ०२ श्रीरामरक्षा स्तोत्र | 11 | 321 |
| ७८ वा | | परिशिष्ट ०३ घोरकष्टोद्धरण स्तोत्र | 2 | 323 |
| ७९ वा | | परिशिष्ट ०४ शिवपञ्चाक्षर स्तोत्र | 2 | 325 |
| ८० वा | | परिशिष्ट ०५ श्री गणपती अथर्वशिर्ष | 6 | 331 |

॥ हरि ॐ ॥
 ॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
 अनुक्रमणिका
 श्रीमद्पुरुषार्थ आनंदसाधना खंड ०३ वाचन रोज एक दोन पाने

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | पाने | |
|-------|--------|---|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण |
| ८१ वा | | परिशिष्ट ०६ श्री संकटनाशन गणपती स्तोत्र | 3 | 334 |
| ८२ वा | | परिशिष्ट ०७ हनुमानचलीसा | 7 | 341 |
| ८३ वा | | परिशिष्ट ०८ पुरुषसूक्त | 8 | 349 |
| ८४ वा | | परिशिष्ट ०९ श्रीसूक्तम् | 8 | 357 |
| ८५ वा | | परिशिष्ट १० श्रीरुद्रप्रश्न | 9 | 366 |
| ८६ वा | | परिशिष्ट ११ श्रीगुरुचरित्र १४ वा अध्याय | 8 | 374 |
| ८७ वा | | परिशिष्ट १२ श्रीगुरुचरित्र १२ वा अध्याय | 12 | 386 |
| ८८ वा | | भरतवाक्यम् | 1 | 387 |

॥ इती श्री अनिरुद्धार्पणमस्तु ॥
 प.पू.बापूचरणी सर्व श्रद्धावानासाठी.

॥ हरि ॐ ॥
 ॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
 अनुक्रमणिका
 मातृवात्सल्यविन्दानम् पाक्षिक (१५ दिवसांचे) पठण

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | अध्याय | | पाने | |
|-------|--------|-------------|--------|------|-------|------|
| | | | रोजचे | एकूण | रोजची | एकूण |
| पहिला | | अध्याय | 3 | 3 | 30 | 30 |
| दुसरा | | अध्याय | 3 | 6 | 22 | 52 |
| तिसरा | | अध्याय | 3 | 9 | 19 | 71 |
| चौथा | | अध्याय | 3 | 12 | 19 | 90 |
| ५ वा | | अध्याय | 3 | 15 | 19 | 109 |
| ६ वा | | अध्याय | 3 | 18 | 19 | 128 |
| ७ वा | | अध्याय | 3 | 21 | 14 | 142 |
| ८ वा | | अध्याय | 3 | 24 | 17 | 159 |
| ९ वा | | अध्याय | 3 | 27 | 16 | 175 |
| १० वा | | अध्याय | 4 | 31 | 31 | 206 |
| ११ वा | | अध्याय | 2 | 33 | 15 | 221 |
| १२ वा | | अध्याय | 3 | 36 | 20 | 241 |
| १३ वा | | अध्याय | 3 | 39 | 13 | 254 |
| १४ वा | | अध्याय | 3 | 42 | 24 | 278 |
| १५ वा | | अध्याय | 3 | 45 | 19 | 297 |
| १६ वा | | उद्यापन | | 45 | 13 | 310 |

॥ इती श्री अनिरुद्धार्पणमस्तु ॥
 प.पू.बापूचरणी सर्व श्रद्धावानासाठी.

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमद्पुरुषार्थ प्रेमप्रवास खंड ०२ मासिक पारायण

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | पाने | |
|-------|--------|---|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण |
| पहिला | | दत्तगुरु प्रतिमे पर्यंत | 20 | 20 |
| दुसरा | | गायत्रीमाता प्रतिमे पर्यंत | 22 | 42 |
| तिसरा | | अंतःकरण चतुष्टय | 15 | 57 |
| चौथा | | सौम्य गुण | 20 | 77 |
| ५ वा | | पंचमुख हनुमान पवित्र स्तोत्र | 17 | 94 |
| ६ वा | | मर्यादा पुरुषार्थाचे नवविधा निर्धार ०१ ते ०९ | 7 | 101 |
| ७ वा | | आम्हाला कसे फसविले जाते | 18 | 119 |
| ८ वा | | परमात्मा नव अंकुरऐश्वर्य संपन्न आहे | 16 | 135 |
| ९ वा | | ना-मी पर्यंत | 11 | 146 |
| १० वा | | मी रामाचे वानर का व्हावे? | 10 | 156 |
| ११ वा | | मर्यादा पुरुषार्थ श्रेष्ठ का? | 9 | 165 |
| १२ वा | | युद्ध पर्यंत | 7 | 172 |
| १३ वा | | मर्यादा पुरुषार्थाचे नवविधा निर्धार ०१ पर्यंत | 30 | 202 |
| १४ वा | | मर्यादा पुरुषार्थाचे नवविधा निर्धार ०२ पर्यंत | 38 | 240 |
| १५ वा | | मर्यादा पुरुषार्थाचे नवविधा निर्धार ०३ पर्यंत | 24 | 264 |
| १६ वा | | मर्यादा पुरुषार्थाचे नवविधा निर्धार ०४ पर्यंत | 38 | 302 |
| १७ वा | | नवविधा निर्धार ०५ पूर्ण | 10 | 312 |
| १८ वा | | नवविधा निर्धार ०६ पूर्ण | 18 | 330 |
| १९ वा | | नवविधा निर्धार ०७ पूर्ण | 12 | 342 |
| २० वा | | नवविधा निर्धार ०८ व ०९ पूर्ण | 7 | 349 |
| २१ वा | | पूर्वसूरी पर्यंत पूर्ण | 19 | 368 |
| २२ वा | | प्रतिमा व मधुफल वाटिका | 13 | 381 |
| २३ वा | | मधुफल वाटिका | 8 | 389 |
| २४ वा | | मधुफल वाटिका | 8 | 397 |
| २५ वा | | मधुफल वाटिका | 8 | 405 |
| २६ वा | | मधुफल वाटिका | 8 | 413 |
| २७ वा | | मधुफल वाटिका | 9 | 422 |
| २८ वा | | मधुफल वाटिका | 7 | 429 |
| २९ वा | | मधुफल वाटिका | 9 | 438 |
| ३० वा | | अंतिम रहस्य | 10 | 448 |
| ३१ वा | | तृतीय खंडाचे घटक सूत्र, भरतवाक्यम् | 3 | 451 |

॥ इती श्री अनिरुद्धार्पणमस्तु ॥
प.पू.बापूचरणी सर्व श्रद्धावानासाठी.

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थ सत्यप्रवेश खंड ०१ मासिक पारायण

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | चरण | | पाने | |
|-------|--------|-----------------------------------|-------|------|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण | रोजची | एकूण |
| पहिला | | पान क्र. १ ते चरण ३ | 3 | 3 | 23 | 23 |
| दुसरा | | चरण | 1 | 4 | 1 | 24 |
| तिसरा | | चरण | 1 | 5 | 1 | 25 |
| चौथा | | चरण | 3 | 8 | 1 | 26 |
| ५ वा | | चरण | 2 | 10 | 1 | 27 |
| ६ वा | | प्रार्थना ०१ | 3 | 13 | 5 | 32 |
| ७ वा | | चरण | 3 | 16 | 2 | 34 |
| ८ वा | | चरण | 2 | 18 | 1 | 35 |
| ९ वा | | चरण | 6 | 24 | 10 | 45 |
| १० वा | | चरण | 2 | 26 | 3 | 48 |
| ११ वा | | चरण | 2 | 28 | 3 | 51 |
| १२ वा | | चरण | 3 | 31 | 3 | 54 |
| १३ वा | | चरण | 1 | 32 | 1 | 55 |
| १४ वा | | प्रार्थना ०२ व मी कोण आहे | 3 | 35 | 9 | 64 |
| १५ वा | | प्रमाण ०१ | | 35 | 2 | 66 |
| १६ वा | | चरण | 9 | 44 | 11 | 77 |
| १७ वा | | चरण | 2 | 46 | 3 | 80 |
| १८ वा | | चरण | 4 | 50 | 11 | 91 |
| १९ वा | | प्रमाण ०२ वज्रांग वचन | | 50 | 1 | 92 |
| २० वा | | चरण | 1 | 51 | 1 | 93 |
| २१ वा | | प्रार्थना ०३ | 1 | 52 | 1 | 94 |
| २२ वा | | चरण | 2 | 54 | 4 | 98 |
| २३ वा | | चरण | 3 | 57 | 9 | 107 |
| २४ वा | | प्रार्थना ०३ | | 57 | 1 | 108 |
| २५ वा | | चरण | 3 | 60 | 6 | 114 |
| २६ वा | | श्रीरामपंचायतन | 1 | 61 | 6 | 120 |
| २७ वा | | प्रार्थना ०४ | | 61 | 2 | 122 |
| २८ वा | | चरण | 1 | 62 | 2 | 124 |
| २९ वा | | चरण | 1 | 63 | 1 | 125 |
| ३० वा | | चरण | 2 | 65 | 5 | 130 |
| ३१ वा | | चरण | 1 | 66 | 3 | 133 |
| ३२ वा | | प्रमाण ०३ | | 66 | 3 | 136 |
| ३३ वा | | चरण | 4 | 70 | 7 | 143 |
| ३४ वा | | चरण | 2 | 72 | 5 | 148 |
| ३५ वा | | कर्म, कर्माचा सिद्धांत | 1 | 73 | 6 | 154 |
| ३६ वा | | प्रार्थना ०५ | | 73 | 1 | 155 |
| ३७ वा | | प्रमाण ०४ | | 73 | 1 | 156 |
| ३८ वा | | प्रारब्ध कर्म भोगणे, भोगावे लागणे | 1 | 74 | 9 | 165 |
| ३९ वा | | प्रार्थना ०६ | | 74 | 1 | 166 |
| ४० वा | | प्रार्थना ०७ | 1 | 75 | 10 | 176 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थ सत्यप्रवेश खंड ०१ मासिक पारायण

| दिवस | दिनांक | वाचन / कृती | चरण | | पाने | |
|-------|--------|--|-------|------|-------|------|
| | | | रोजची | एकूण | रोजची | एकूण |
| ४१ वा | | प्रार्थना ०८ व मायेचा प्रांत | 3 | 78 | 15 | 191 |
| ४२ वा | | प्रार्थना ०९ | | 78 | 2 | 193 |
| ४३ वा | | व्यवहारिक जीवन व अध्यात्म | | | 2 | 195 |
| ४४ वा | | वास्तवाचे भान | | | 3 | 198 |
| ४५ वा | | चतुर्वर्ग | | | 7 | 205 |
| ४६ वा | | धर्म | | | 7 | 212 |
| ४७ वा | | प्रार्थना १० | | | 3 | 215 |
| ४८ वा | | धर्म हा पुरुषार्थ कसा प्राप्त करावयाचा | | | 7 | 222 |
| ४९ वा | | किवा प्राप्त करून घ्यायचा. हरि ॐ मी कोण आहे? | | | | 222 |
| ५० वा | | सत्य | | | 6 | 228 |
| ५१ वा | | प्रार्थना ११ | | | 1 | 229 |
| ५२ वा | | अस्त्येय दया व क्षमा | | | 5 | 234 |
| ५३ वा | | दम व अक्रोध दान | | | 10 | 244 |
| ५४ वा | | प्रमाण ०५ पुण्यकर्म | | | 1 | 245 |
| ५५ वा | | आस्तिकबुद्धी व प्रमाण ०६ व ०७ | | | 19 | 264 |
| ५६ वा | | अभ्यास, परोपकार, अहिंसा व समबुद्धी | | | 10 | 274 |
| ५७ वा | | प्रार्थना १२ | | | 1 | 275 |
| ५८ वा | | काम | | | 4 | 279 |
| ५९ वा | | अर्थ | | | 2 | 281 |
| ६० वा | | मोक्ष | | | 6 | 287 |
| ६१ वा | | भक्ती | | | 12 | 299 |
| ६२ वा | | मर्यादा | | | 17 | 316 |
| ६३ वा | | उद्यापन द्वितीय खंड व भरतवाक्यम् | | | 11 | 327 |

॥ इती श्री अनिरुद्धार्पणमस्तु ॥
प.पू.बापूचरणी सर्व श्रद्धावानासाठी.

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
मातृवात्सल्यविन्दानम्

| अध्याय | दिनांक | नांव । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ |
|--------|--------|---|---------|
| | | मातृवात्सल्यविन्दानम् अर्थात् मातरैश्वर्यवेदः | 1 |
| | | प्रथम आवृत्ती, लेखक व इतर माहिती | 2 |
| | | ॥ मंगलाचरणम् ॥ | 3-4 |
| | | ॥ आदिमाता अनसूया चण्डिकेची आरती ॥ | 5-6 |
| | | शरण्ये चण्डिके दुर्गे | 7-8 |
| | | ॥ गायत्री खण्ड अध्याय १ ते ३ | 9-10 |
| | | आदिमाता गायत्री चण्डिका - प्रतिमा | 11-12 |
| १ | | श्रीगुरुदत्तात्रेय - परशुराममेलनं | 13-20 |
| २ | | गायत्रीस्वरूपाख्यानं | 21-25 |
| ३ | | पञ्चमुखी गायत्री चित्राङ्कनं | 26-30 |
| | | ॥ महिषासुरमर्दिनी खण्ड ॥ अध्याय ४ ते ३१ | 31-32 |
| | | आदिमाता महिषासुरमर्दिनी चण्डिका - प्रतिमा | 33-34 |
| ४ | | देवमाता चण्डिकायाः त्रिधास्वरूपवर्णनं | 35-38 |
| ५ | | महाकाली प्रकटनं | 39-46 |
| ६ | | मधुकैटभमर्दनं | 47-52 |
| ७ | | दैत्योत्पत्तिकारणविवेचनं महिषासुरजननं | 53-59 |
| ८ | | महालक्ष्मीप्रकटनं | 60-65 |
| ९ | | अष्टादशभुजावर्णनं कात्यायनीनामाभिधानं | 66-71 |
| १० | | महिषासुरसेनापतिवधं | 72-77 |
| ११ | | महिषासुरवधं | 78-84 |
| १२ | | आदिमातास्तवनं | 85-90 |
| १३ | | दत्तात्रेयकृत - संज्ञास्पष्टीकरणं | 91-96 |
| १४ | | महासरस्वतीप्रकटनं | 97-103 |
| १५ | | धूम्रलोचनवधं | 104-109 |
| १६ | | भक्तमाताकालीकृत-चण्डमूण्डवधं | 110-116 |
| १७ | | शुभ-निशुभसेनापतीपारिपात्यं | 117-122 |
| १८ | | रक्तबीजानिःपातं | 123-128 |
| १९ | | निशुभवधं | 129-131 |
| २० | | शुभवधं | 132-136 |
| २१ | | चामुण्डानामाभिधानं | 137-139 |
| | | ॥ अथ नवमन्त्रमालास्तोत्रम् ॥ | 140-141 |
| २२ | | वेदव्यासपरम्पराकथनं नवमन्त्रमालामहिमानं | 142-146 |
| २३ | | रक्तचामुण्डाऽऽख्यानं | 147-152 |
| २४ | | देवमाताप्रार्थनं | 153-154 |
| | | सनातनदेवीसूक्त | 155-158 |
| २५ | | शताक्षीप्रकटनं | 159-162 |
| २६ | | परशुरामतपश्चरणं | 136-166 |
| २७ | | श्रीरामवरदायिनीप्रकटनं | 167-175 |
| | | श्रीआदिमाता अशुभनाशिनी स्तवनम् | 171-173 |
| २८ | | नन्दिनीप्रकटनं | 176-181 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
मातृवात्सल्यविन्दानम्

| अध्याय | दिनांक | नांव । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ |
|--------|--------|---|---------|
| २९ | | नन्दिनीलिलावर्णनं | 18-188 |
| ३० | | दत्तमंगलचण्डिकाप्रकटनं | 189-195 |
| ३१ | | श्रीगुरुभक्ती महिमानं | 196-206 |
| | | ॥ श्रीदत्तमंगलचण्डिकास्तोत्रम् ॥ | 202-205 |
| | | ॥ अनसूया खण्ड ॥ | 207-208 |
| | | आदिमाता अनसूया चण्डिका - प्रतिमा | 209-201 |
| ३२ | | अनसूयावर्णनं | 211-215 |
| | | ॥ श्री आदिमाता - शंभकरा- स्तवनम् ॥ | 214-215 |
| ३३ | | अनसूयाऽवरणं | 216-221 |
| ३४ | | अत्रि-अनसूयाविवाह | 222-227 |
| ३५ | | कपिलाख्यानं | 228-233 |
| ३६ | | दुर्गास्वरूपप्रकटनं | 234-241 |
| ३७ | | दुर्गामहिमानं | 242-246 |
| ३८ | | अत्रि-अनसूयागृहस्थाश्रमाख्यानं | 247-250 |
| ३९ | | सती-आख्यानं | 251-254 |
| ४० | | अनसूयालिलावर्णनं | 255-260 |
| ४१ | | दत्तात्रेयजन्माख्यानं | 261-269 |
| | | दत्तात्रेयस्तुती | 265-268 |
| ४२ | | मोदककथाकथनं | 269-278 |
| ४३ | | चूडामणीप्रदानाख्यानं | 279-287 |
| ४४ | | कलिपुरुषशापकथाकथनं | 285-292 |
| ४५ | | मन्त्रमालिनी- अवतरणं मातृवात्सल्यविन्दानग्रन्थमहिमानं | 293-297 |
| | | ॐ प्रसीद परमेश्वरी | 298 |
| | | वाचनं करायचे कसे? | 299 |
| | | १) नवरात्र | 300 |
| | | २) -३) मंगळवार १५ दिवस, मंगळवार रोज एक | 300 |
| | | ४) कूठलीही पद्धत | 301 |
| | | उद्यापन व नियम | 301-302 |
| | | आदिमाता महिषासुरमर्दिनी चण्डिकेची आरती | 303-304 |
| | | उपसंहार | 305-306 |
| | | सर्वबाधाप्रशमनम् | 307-310 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थः (अर्थात् सत्यस्मृति) प्रथमः खण्डः सत्यप्रवेशः

| विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ | विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ |
|---------------------------------------|---------|--|---------|
| चरण ६६ | 131-133 | ६) अक्रोध | 237-238 |
| प्रमाण ०३ | 134-136 | ७) दान | 238-244 |
| चरण ६७ | 137-138 | प्रमाण ०५ पुण्यकर्म | 245 |
| चरण ६८ | 138-139 | ८) आस्तिक्य बुद्धी (I) | 246 |
| चरण ६९ | 139-142 | प्रमाण ०६ | 247-249 |
| चरण ७० | 142-143 | ८) आस्तिक्य बुद्धी (II) | 250-253 |
| चरण ७१ | 144-145 | ९) श्रद्धा | 253-255 |
| चरण ७२ | 145-148 | १०) साधना (I) | 255-257 |
| चरण ७३ कर्म, कर्माचा सिद्धांत | 149-154 | प्रमाण ०७ | 258-260 |
| प्रार्थना ०५ | 155 | १०) साधना (II) | 261-264 |
| प्रमाण ०४ | 156 | ११) अभ्यास | 265-267 |
| चरण ७४ प्रारब्ध कर्म मानवाला कशा | 157-165 | १२) परोपकार | 267 |
| प्रार्थना ०६ | 166 | १३) अहिंसा | 267-273 |
| चरण ७५ (१) | 167-172 | १४) समबुद्धी | 273-274 |
| प्रार्थना ०७ | 173 | प्रार्थना १२ | 275 |
| चरण ७५ (२) | 174-176 | काम | 276-279 |
| चरण ७६ कर्म व कर्मफल त्यागील समय | 177-178 | अर्थ | 280-281 |
| चरण ७७ निष्काम कर्म | 178-181 | मोक्ष | 282-287 |
| चरण ७८ | 181-183 | भक्ती (I) | 288-289 |
| मायेचा प्रांत (१) बाह्यमन + अंतर्मन | 183-185 | प्रमाण ०८ | 290 |
| प्रार्थना ०८ | 186 | भक्ती (II) | 291-293 |
| मायेचा प्रांत (२) परमेश्वरी मन | 187-191 | प्रमाण ०८ नऊतत्वे | 294-296 |
| प्रार्थना ०९ | 192-193 | मी कोण आहे ? | 297-298 |
| व्यावहारिक जीवन व अध्यात्म | 194-195 | भक्ती (III) | 299 |
| वास्तवाचे भान | 196-198 | मर्यादा | 300-316 |
| चतुर्वर्ण | 199-205 | द्वितीय खंडाचे (प्रेमप्रवास) मध्यस्थ सूत्र | 317-322 |
| धर्म | 206-212 | इ.स.२०२५ | 323-324 |
| प्रार्थना १० | 213-215 | भरतवाक्यम् | 325-326 |
| धर्म हा पुरुषार्थ कसा करायचा | 216-220 | श्रीगायत्री माता | 327 |
| १) वैयक्तिक धर्म | 216 | श्रीमदपुरुषार्थः नियमावली | |
| २) धर्मपंथ | 217-218 | नियम १,२,३ | 1 |
| ३) समाजधर्म | 219 | नियम ४,५,६,७ | 2 |
| धर्मपुरुषार्थाची प्रमुख व मूलभूत अंगे | 220 | नियम ७ आणि ८ | 3-4 |
| मी कोण आहे ? | 221-222 | नियम ९,१०,११ | 5 |
| १) सत्य | 223-228 | नियम ११ | 6 |
| प्रार्थना ११ | 229 | नियम १२ आणि १३ | 7 |
| २) अस्तेय | 230-234 | नियम १४,१५,१६ | 8 |
| ३) दया | 231-232 | नियम १७ | 9 |
| ४) क्षमा | 232-234 | श्रीमदपुरुषार्थः आरती | 10-12 |
| ५) दम अनन्य | 235-236 | शान्तिमंत्र | 13 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थः (अर्थात् सत्यस्मृति) प्रथमः खण्डः सत्यप्रवेशः

| विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ | विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ |
|-----------------------------|-------|------------------------|---------|
| प्रथम खण्ड | 1 | चरण ३३ | 57 |
| लेखक व इतर | 2 | चरण ३४ | 57-61 |
| ॐ प्रर्थना | 3-4 | चरण ३५ | 62 |
| त्रिपुरारी त्रिविक्रम चिन्ह | 5-6 | मी कोण आहे? | 63-64 |
| बापू | 7-8 | प्रमाण ०१ | 65-66 |
| मंगलाचरणम् | 9-10 | चरण ३६ | 67 |
| अथ सत्यप्रवेशस्तुति | 11-12 | चरण ३७ | 68 |
| ॐ अनिरुद्ध - निषकाम कर्मयोग | 13-14 | चरण ३८ | 68-70 |
| ॐ अनिरुद्ध - सत्यस्मृती ०१ | 15-16 | चरण ३९ | 70-71 |
| ॐ अनिरुद्ध - सत्यस्मृती ०२ | 17-18 | चरण ४० | 71-72 |
| ॐ अनिरुद्ध - सत्यस्मृती ०३ | 19-20 | चरण ४१ | 72-75 |
| दत्तगुरु जप | 21-22 | चरण ४२ | 75-76 |
| चरण १, २ आणि ३ | 23 | चरण ४३ | 76-77 |
| प्रार्थना + चरण ४ | 24 | चरण ४४ | 77 |
| प्रार्थना + चरण ५ | 25 | चरण ४५ | 78-79 |
| चरण ६, ७ आणि ८ | 26 | चरण ४६ | 79-80 |
| चरण ९ आणि १० | 27 | चरण ४७ | 81-84 |
| चरण ११, १२ आणि प्रार्थना | 28 | चरण ४८ | 84-87 |
| मी कोण आहे? | 29-30 | चरण ४९ | 87-89 |
| प्रार्थना ०१ | 31 | चरण ५० | 89-91 |
| चरण १२ आणि १३ | 32 | प्रमाण ०२ वज्रांग वचन | 92 |
| चरण १४ | 33 | चरण ५१ | 93 |
| चरण १५ आणि १६ | 34 | चरण ५२ | 94 |
| चरण १७ आणि १८ | 35 | चरण ५३ | 95-97 |
| चरण १९ आणि २० | 36 | चरण ५४ | 97-98 |
| चरण २१ | 37 | चरण ५५ | 99-101 |
| चरण २२ | 38 | चरण ५६ | 101-102 |
| चरण २३ | 39 | चरण ५७ | 102-107 |
| चरण २४ यज्ञेन | 39-41 | प्रार्थना ०३ | 108 |
| दानेन | 42-43 | चरण ५८ | 109 |
| तपसा | 43-45 | चरण ५९ | 109-110 |
| चरण २५ | 46-48 | चरण ६० | 111-112 |
| चरण २६ | 48 | मी कोण आहे? | 113-114 |
| चरण २७ | 49-50 | चरण ६१ | 115-118 |
| चरण २८ | 50-51 | रामो राजमणी सदा विजयते | 119-120 |
| चरण २९ | 52-53 | प्रार्थना ०४ | 121-122 |
| चरण ३० | 53 | चरण ६२ | 123-124 |
| चरण ३१ | 53-54 | चरण ६३ | 125 |
| चरण ३२ | 55 | चरण ६४ | 126-127 |
| प्रार्थना ०२ | 56 | चरण ६५ | 127-130 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थः (अर्थात् सत्यस्मृति) द्वितीय खण्ड प्रेमप्रवास

| विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ | विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ |
|---|-------|--|---------|
| प्रेमप्रवास | 1 | १) समर्थ व तृप्त व्यक्तिमत्त्व | 78-80 |
| लेखक, संपादक, प्रकाशक आणि मुद्रक | 2 | २) समर्थ परंतु अतृप्त व्यक्तिमत्त्व | 81-84 |
| ॐ अनिरुद्ध | 3-4 | ३) असमर्थ व आतृप्त व्यक्तिमत्त्व | 85-91 |
| ॐ अनिरुद्ध | 5-6 | श्री पञ्चमुखहृमान प्रतिमा | 92 |
| ॐ प्रेमप्रवास | 7-8 | ॥ श्री पञ्चमुखहृमान स्तोत्रम् ॥ | 93-94 |
| रंगात रंगला श्रीरंग | 9-10 | ॥ श्रीरंग ॥ (पुरुषार्थ पराक्रम) | 95-96 |
| ॥ पूर्वरंग ॥ | 11-12 | स्पष्ट इशारा | 97 |
| ब्रह्म | 13-15 | सत्यप्रवेश - मर्यादा | 98 |
| परापूजा | 16-19 | ॥ माझे पंचगूरू ॥ | 99 |
| दत्तगूरू | 20 | मर्यादा पुरुषार्थाचे नवविधा निर्धार (१ ते ४) | 100 |
| ना-मी | 21-23 | मर्यादा पुरुषार्थाचे नवविधा निर्धार (५ ते ९) | 101 |
| मानसपूजा | 24 | नवचक्र विचार | 102-103 |
| मूर्तिपूजा | 25-26 | १) मूलाधार चक्र | 103 |
| ह्या परब्रह्मापासून हे विश्व कसे निर्माण होते | 27-28 | २) स्वाधिष्टान चक्र | 104 |
| ह्या परब्रह्मापासून हे विश्व कसे भाग २ | 29-41 | ३) मणिपूर चक्र | 104 |
| गायत्रीमाता प्रतिमा | 42 | ४) अनाहत चक्र | 104-105 |
| ना-मी | 43-44 | ५) विशुद्ध चक्र | 105-106 |
| प्राण | 45-46 | हनुमंत । रावण | 107 |
| जाणिव | 47 | ५) विशुद्ध चक्र | 108 |
| ऋण | 48 | ६) आज्ञा चक्र | 108-111 |
| कर्ता | 49 | ७) सुदर्शन चक्र | 111-112 |
| त्रिगुण | 50-54 | ८) सत्प्रज्ञा चक्र | 112-113 |
| पंचमहाभूते | 55-56 | ९) सहस्त्रार चक्र | 113-117 |
| अंतःकरण चतुष्टय | 57 | आम्हाला कसे फसवले जाते | 118-119 |
| मन | 58-62 | मर्यादा मार्गाची परिभाषा | |
| चार केंद्रे | 63-68 | परमेश्वर | 120 |
| भावशरिरि गुण १) गुरुगुण | 68 | सच्चिदानंद | 120-121 |
| २) लघुगुण | 68 | मर्यादामार्ग | 122-124 |
| ३) लंकागुण | 69 | महावाक्य, महानिर्णय | 122 |
| ४) जाड्यगुण | 69-70 | महानिश्चय | 122-123 |
| ५) तीक्ष्णगुण | 70-71 | फलित संसार | 123 |
| ६) अशीघ्रगुण | 71 | परमार्थ | 124 |
| ७) मंदगुण | 72 | मर्यादा मार्ग परिभाषा | 125-126 |
| ८) स्निग्धगुण | 72 | रावण | 127-130 |
| ९) रुक्षगुण | 73 | हा परमेश्वर दत्तगूरू अनंत व अपार गुणांचा | 131 |
| १०) उष्णगुण | 74 | परमात्मा नव अंकुर ऐश्वर्यसंपन्न आहे | 132-135 |
| ११) उग्रगुण | 74 | दत्तगूरू | 136-143 |
| १२) अनुष्ण गुण | 75 | श्रीरामपंचायतन प्रतिमा | 144 |
| १३) शीत गुण | 75-76 | ना - मी | 145-146 |
| १४) सौम्य गुण | 76-77 | परमात्मा | 147-151 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थः (अर्थात् सत्यस्मृति) द्वितीय खण्ड प्रेमप्रवास

| विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ | विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ |
|---|---------|--|---------|
| मी रामाचे वानर का व्हावे ? | 152-156 | नवनिर्धार ०४ | 265-268 |
| नवविधा निर्धारांचे आचरण - (वानर प्रयास) | 157-165 | पहिले परिमाण | 268-269 |
| दैव श्रेष्ठ की पुरुषार्थ ? | 165-168 | दुसरे परिमाण | 269 |
| मी कोण आहे ? | 170 | तिसरे परिमाण | 269-270 |
| युद्ध | 171-172 | चौथे परिमाण | 270-271 |
| नवविधा निर्धार ०१ | 173-174 | पाचवे परिमाण (I) | 271-272 |
| राम माझा राजा आहे | 175 | पाचवे परिमाण (II) | 273-274 |
| दत्तगुरु | 176-184 | १) श्रवणभक्ति | 275-278 |
| अनिरुद्ध | 185-186 | २) किर्तनभक्ति | 279-282 |
| राम | 187-188 | ३) स्मरणभक्ति | 282-286 |
| श्रीरामगुणसंकीर्तन | 190-197 | ४) वंदनभक्ति | 287-288 |
| श्रीरामांचे आश्वासन | 198-201 | ५) अर्चनभक्ति | 288-291 |
| रामास वनवासांत कोण पाठवितो | 202 | ६) पादसंवाहनभक्ति | 291-293 |
| नवविधा निर्धार ०२ | 230-207 | ७) दास्यभक्ति | 293-298 |
| आहार | 207-214 | ८) सख्यभक्ति | 298-301 |
| आचार | 215-219 | ९) आत्मनिवेदनभक्ति | 301-302 |
| त्रिपुरारी त्रिविक्रम चिन्ह | 220 | १०/११) आत्मनिवेदनोत्तर दास्य व आत्मनिवे | 302 |
| मर्यादायोग - साधना | 221 | नवविधा निर्धार ०५ | 303-305 |
| प्राणायाम (I) | 222-223 | विचार | 305-308 |
| सिद्धासन | 224 | विहार | 308-312 |
| पद्मासन | 225 | नवविधा निर्धार ०६ | 313-321 |
| प्राणायाम (II) | 226-227 | १) सगुण उपासना | 322 |
| मर्यादा प्राणायाम क्रिया | 227-229 | २) परहित निरत | 323 |
| धारणा व ध्यान | 230-231 | ३) नीतिदृढनेम | 323-324 |
| रससाधना प्रथमा | 231-234 | ४) द्रविजपदप्रेम | 324-327 |
| रससाधना द्वितीया | 234-235 | श्री हनुमंत प्रतिमा | 328 |
| रससाधना तृतीया | 235-236 | ना - मी | 329-330 |
| रससाधना चतुर्थी | 237-238 | नवविधा निर्धार ०७ | 331-342 |
| रससाधना पंचमी | 238-240 | नवविधा निर्धार ०८ | 343-346 |
| नवविधा निर्धार ०३ | 241-246 | नवविधा निर्धार ०९ | 347-349 |
| कर्म कसे करावे आणि कसे असावे | 247 | उद्धरेत आत्मना आत्मानम् | 350-355 |
| ०१) फलाशेचा पूर्णविराम | 248-250 | श्री साईनाथ - गुरुमंत्र श्री स्वामीसमर्थ | 356 |
| ०२) ईश्वरार्पण कर्म | 250-251 | ना - मी | 357-358 |
| ०३) निरीक्षण प्राधान्य व अभ्यास | 251-256 | पुनर्जन्म | 359-364 |
| ०४) आपली स्वतःची ओळख , ताकद | 256-258 | मार्गदर्शक पूर्वसूरी | |
| ०५) काळाचा विनियोग व काळाचे भान | 258-259 | ०१-२५ | 365 |
| ०६) उचित क्रमाने प्राधान्यता | 259-260 | २५ - ५३ | 366 |
| ०७) सिंहावलोकन | 261 | ५४ - ८१ | 367 |
| ०८) कुठे थांबायचे व कुठे गतिमान व्हायचे | 262 | ८२ - ९६ | 368 |
| ०९) विश्राम | 263-264 | मधुफलवाटिका | 369-373 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थः (अर्थात् सत्यस्मृति) द्वितीय खण्ड प्रेमप्रवास

| विषय।तपशील।प्रतिमा | पृष्ठ | विषय।तपशील।प्रतिमा | पृष्ठ |
|--------------------|---------|------------------------------------|---------|
| मधुफलवाटिका | | मधुफलवाटिका | |
| १-६ | 374 | १५२-१५६ | 414 |
| ७-८ | 375 | १५७-१६० | 415 |
| ९-१३ | 376 | १६१-१६५ | 416 |
| १४-१७ | 377 | १६६-१६८ | 417 |
| १७-१९ | 378 | १६८-१७१ | 418 |
| २०-२४ | 379 | १७२-१७६ | 419 |
| २५-२७ | 380 | १७६-१७८ | 420 |
| २८-३१ | 381 | १७९-१८१ | 421 |
| ३२-३६ | 382 | १८१-१८४ | 422 |
| ३७-४० | 383 | १८५-१९१ | 423 |
| ४१-४३ | 384 | १९२-१९५ | 424 |
| ४४-४६ | 385 | १९६-२०० | 425 |
| ४७-५० | 386 | २०१ | 426 |
| ५१-५४ | 387 | २०२-२०४ | 427 |
| ५५-५९ | 388 | २०५-२०८ | 428 |
| ६०-६५ | 389 | २०८-२१२ | 429 |
| ६५-७० | 390 | २१३-२१९ | 430 |
| ७१-७२ | 391 | २१९-२२१ | 431 |
| ७२-७४ | 392 | २२२-२२३ | 432 |
| ७५-८१ | 393 | २२४-२२६ | 433 |
| ८२ | 394 | २२७-२३० | 434 |
| ८३-८६ | 395 | २३०-२३४ | 435 |
| ८७-९२ | 396 | २३५-२३९ | 436 |
| ९२-९४ | 397 | २४०-२४५ | 437 |
| ९५-१०० | 398 | २४६-२५० | 438 |
| १०१-१०४ | 399 | २५१-२५४ | 439 |
| १०४ | 400-401 | २५५-२५९ | 440 |
| १०५-१०९ | 402 | २५९-२६३ | 441 |
| ११०-११२ | 403 | २६४-२६९ | 442 |
| ११३-११४ | 404 | २७०-२७३ | 443 |
| ११५-११८ | 405 | २७३-२७९ | 444 |
| ११९-१२३ | 406 | २८०-२८२ | 445 |
| १२४-१२९ | 407 | २८३-२८४ | 446 |
| १३०-१३४ | 408 | अंतिम रहस्य | 447-449 |
| १३५-१३६ | 409 | तृतीय खंडाचे (आनंदसाधना) घटक सूत्र | 449-450 |
| १३६-१४० | 410 | भरतवाक्याम् | 451 |
| १४०-१४२ | 411 | | |
| १४२-१४५ | 412 | | |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थः (अर्थात् सत्यस्मृति) तृतीय खण्ड आनंदसाधना

| विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ | विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ |
|--|-------|-------------------------------------|--------|
| आनंदसाधना | 1 | ईशावास्य मंत्र ५ ते ९ | 42 |
| लेखक, संपादक, प्रकाशक आणि मुद्रक | 2 | ॐ श्री रामदूताय हनुमंताय महाप्राणाय | 43 |
| ॐ अनिरुद्ध | 3-4 | ॐ श्री रामदूताय हनुमंताय महाप्राणाय | 43 |
| ॐ अनिरुद्ध | 5-6 | ध्यानमंत्र | 44 |
| ॐ आनंदसाधना | 7-8 | श्री हनुमंत, श्री राम व श्री विष्णू | 44 |
| श्री दत्तगुरु - श्री गुरुदत्तराज समर्थ प्रतिमा | 9-10 | श्री सद्गुरु व श्री दत्तगुरु | 45 |
| आनंदसाधना हनुमंत प्रतिमा | 11-12 | महामृत्यंजय मंत्र | 46-48 |
| नाम | 13 | प्रार्थना | 49-51 |
| स्थूल भूमिका | 14 | स्तोत्र | 52-54 |
| सूक्ष्म भूमिका | 14-15 | श्री राम पंचायतन - श्री विजयमंत्र | 55-56 |
| तरल भूमिका | 15 | पूजन प्रतिकोपासना | 57-62 |
| रससाधना | 15 | १) नित्यपूजन | 63 |
| रामनाम | 16-17 | २) नैमित्तिकपूजन | 63-64 |
| संत रामदास स्वामी - श्री मनाचे श्लोक | 18 | ३) विशेषपूजन | 65-66 |
| श्री मनाचे श्लोक ७१-७४, ७६ आणि ८२ | 19 | आरती | 66-67 |
| श्री मनाचे श्लोक ८६, ८९ आणि १०१ | 20 | आशीर्वाद | 67-68 |
| गुरुनाम व शिवनाम | 21 | लोटांगण | 69-70 |
| गुरुनाम व हरिनाम | 22 | नैवेद्यम् | 71-72 |
| मंत्र | 23 | ॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥ | 73-75 |
| १) भावार्थ | 24 | साकार रूप | 76 |
| २) संप्रदायार्थ | 24-25 | प्रदक्षिणा | 77-78 |
| ३) निगमार्थ | 25 | १) साक्षी प्रदक्षिणा | 77 |
| ४) सर्वरहस्यार्थ | 25 | २) ऋतू प्रदक्षिणा | 77-78 |
| ५) तत्त्वार्थ | 25 | ३) सत्य प्रदक्षिणा | 79 |
| ६) गूणविकासार्थ | 26 | क्षमायाचना | 79-80 |
| ७) चक्रार्थ | 26 | मंगलकलश | 81-83 |
| ८) दिव्यार्थ | 26 | त्रिपुरारी त्रिविक्रम चिन्ह प्रतिमा | 83 |
| ९) मूलार्थ | 26 | उपवास व व्रते | 84-85 |
| भूमिका १) स्थूल | 26 | व्रत | 86-106 |
| भूमिका २) सूक्ष्म | 26-27 | १) व्रतांमागील हेतुनुसार | 87 |
| भूमिका ३) तरल | 27-30 | २) व्रतांच्या कालावधिनुसार | 88 |
| श्री गायत्री माता प्रतिमा | 31 | काम्य व्रते | 88-89 |
| गायत्री मंत्र १ ते ७ | 32-33 | आश्रम व्रते | 89-93 |
| गायत्री मंत्र ७ ते ११ | 34 | १) ब्रह्मचर्याश्रम | 89-90 |
| गायत्री मंत्र १२ ते १८ | 35 | २) गृहस्थाश्रम | 90 |
| गायत्री मंत्र १९ ते २४ | 36 | ३) वानप्रस्थाश्रम | 91-93 |
| गायत्री मंत्र २५ ते ३० | 37 | पापनाशक व्रते | 94 |
| गायत्री मंत्र ३१ ते ३३ | 38 | देवयान व्रते | 95 |
| दत्तमालामंत्र १ ते ८ | 39-40 | अध्ययन व्रते | 95 |
| ईशावास्य मंत्र १ ते ४ | 41 | श्रीवर्धमान व्रताधिराज प्रस्तावना | 96-99 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थः (अर्थात् सत्यस्मृति) तृतीय खण्ड आनंदसाधना

| विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ |
|---|---------|
| श्रीवर्धमान व्रताधिराज कृती | |
| १) व्रतकाल व पठण | 100-101 |
| २) वर्ज्य प्रकरण | 102 |
| ३) तिलस्नानम् | 102-103 |
| ४) त्रिपुरारी त्रिविक्रम मंगलम् | 103 |
| ५) त्रिदोष धूपशिखा | 103 |
| ६) त्रिपुरारी त्रिविक्रम भोग | 103 |
| ७) इच्छा डान | 104 |
| ८) पुरुषार्थ दर्शन | 104 |
| ९) उदयापन | 104 |
| श्री नव-अंकुर-ऐश्वर्य कृपाशीष प्रार्थना | 105-106 |
| श्री हनुमंत प्रतिमा | 107-108 |
| यंत्र व कवच | 109-111 |
| कवच | 112-113 |
| यज्ञ | 114-118 |
| १) नामजपयज्ञ | 119-120 |
| २) ब्रह्मयज्ञ | 120-121 |
| ३) देवयज्ञ | 121-122 |
| ४) पितृयज्ञ | 122-123 |
| ५) भूतयज्ञ | 123 |
| ६) अतिथीयज्ञ | 124 |
| ७) काम्ययज्ञ | 124-125 |
| ८) प्राणयज्ञ | 125-126 |
| ९) आत्मयज्ञ | 126-127 |
| श्री बापूंचे वचन | 128 |
| तपश्चर्या | 129-133 |
| भागीरथी तपश्चर्या १ ते ७ | 131 |
| भागीरथी तपश्चर्या ८ ते १० | 132 |
| स्थान व नियम | 132 |
| तपकाल | 133 |
| आह्निक | 134-138 |
| आह्निक कसे करावे ? १ ते ४ | 135 |
| श्री त्रिपुरारी त्रिविक्रम प्रार्थना (५) | 136 |
| ॥ अर्चित्यदानी स्तोत्र ॥ (६) व (७) | 137 |
| अनिरुद्ध महावाक्यम् (८) | 138 |
| श्री साईनाथ प्रतिमा, गुरुमंत्र व श्री स्वामीसमर्थ मंत्र | 139-140 |
| पुरुषार्थ गंगा | 141-142 |
| आचमन १ अभ्यास | 143-144 |
| आचमन २-५ | 145 |
| आचमन ५ | 146-149 |

| ॥ हरि ॐ ॥ | | | | | |
|---|---------|--------------------|---------|--------------------|---------|
| ॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥ | | | | | |
| अनुक्रमणिका | | | | | |
| श्रीमदपुरुषार्थः (अर्थात् सत्यस्मृति) तृतीय खण्ड आनन्दसाधना | | | | | |
| विषय।तपशील।प्रतिमा | पृष्ठ | विषय।तपशील।प्रतिमा | पृष्ठ | विषय।तपशील।प्रतिमा | पृष्ठ |
| आचमन ६-८ | 149 | आचमन १०२-१०४ | 191 | आचमन १९१-१९३ | 237 |
| आचमन ९-११ | 150 | आचमन १०५-१०७ | 192 | आचमन १९४-१९६ | 238 |
| आचमन ११-१४ | 151 | आचमन १०८-११० | 193 | आचमन १९७-१९९ | 239 |
| आचमन १४-१६ | 152 | आचमन १११-११४ | 194 | आचमन १९९-२०१ | 240 |
| आचमन १६ | 153-154 | आचमन ११५-११७ | 195 | आचमन २०२-२०३ | 241 |
| आचमन १७ | 155-157 | आचमन ११८-१२० | 196 | आचमन २०३ | 242-243 |
| आचमन १८ | 157-158 | आचमन १२१-१२२ | 197 | आचमन २०३-२०५ | 243 |
| आचमन १८-१९ | 158 | आचमन १२२-१२५ | 198 | आचमन २०५-२०६ | 244 |
| आचमन २०-२१ | 159 | आचमन १२५-१२६ | 199 | आचमन २०६-२०७ | 245 |
| आचमन २१-२४ | 160 | आचमन १२७-१३० | 200 | आचमन २०८-२१० | 246 |
| आचमन २५-२८ | 161 | आचमन १३१-१३३ | 201 | आचमन २१०-२१२ | 247 |
| आचमन २८-३१ | 162 | आचमन १३३-१३५ | 202 | आचमन २१३-२१५ | 248 |
| आचमन ३२-३३ | 163 | आचमन १३६ शरणागती | 203-208 | आचमन २१६-२१८ | 249 |
| आचमन ३४-३६ | 164 | आचमन १३७ | 208-210 | आचमन २१८-२२१ | 250 |
| आचमन ३७-३८ | 165 | आचमन १३८ | 211 | आचमन २२२-२२४ | 251 |
| आचमन ३८-४० | 166 | आचमन १३९-१४० | 212-213 | आचमन २२४-२२७ | 252 |
| आचमन ४१-४३ | 167 | आचमन १४१-१४२ | 213 | आचमन २२७-२२९ | 253 |
| आचमन ४३-४६ | 167-168 | आचमन १४२ | 214 | आचमन २३० | 254 |
| आचमन ४७-५० | 169 | आचमन १४२-१४४ | 215 | आचमन २३१-२३३ | 255 |
| आचमन ५१-५३ | 170 | आचमन १४५-१४७ | 216 | आचमन २३४-२३६ | 256 |
| आचमन ५३-५६ | 171 | आचमन १४८-१४९ | 217 | आचमन २३६-२३८ | 257 |
| आचमन ५६-५९ | 172 | आचमन १५०-१५१ | 218 | आचमन २३८-२४० | 258 |
| आचमन ५९-६१ | 173 | आचमन १५२ | 219 | आचमन २४०-२४१ | 259 |
| आचमन ६१-६४ | 174 | आचमन १५३ | 220 | आचमन २४१-२४४ | 260 |
| आचमन ६५-६७ | 175 | आचमन १५४-१५५ | 221 | आचमन २४५-२४७ | 261 |
| आचमन ६८-६९ | 176 | आचमन १५६-१५७ | 222 | आचमन २४७-२४८ | 262 |
| आचमन ७०-७२ | 177 | आचमन १५८-१६० | 223 | आचमन २४९-२५० | 263 |
| आचमन ७३-७५ | 178 | आचमन १६१-१६४ | 224 | आचमन २५१-२५३ | 264 |
| आचमन ७५-७७ | 179 | आचमन १६४-१६७ | 225 | आचमन २५३-२५५ | 265 |
| आचमन ७८-८० | 180 | आचमन १६८-१७० | 226 | आचमन २५६-२५७ | 266 |
| आचमन ८१-८३ | 181 | आचमन १७१-१७३ | 227 | आचमन २५८-२५९ | 267 |
| आचमन ८३-८४ | 182 | आचमन १७४-१७५ | 228 | आचमन २६०-२६१ | 268 |
| आचमन ८५ | 183 | आचमन १७६-१७७ | 229 | आचमन २६२-२६३ | 269 |
| आचमन ८५-८७ | 184 | आचमन १७७-१८० | 230 | आचमन २६३-२६५ | 270 |
| आचमन ८७-८८ | 185 | आचमन १८०-१८१ | 231 | आचमन २६६-२६८ | 271 |
| आचमन ८८-९१ | 186 | आचमन १८२-१८३ | 232 | आचमन २६८ | 272 |
| आचमन ९१ | 187 | आचमन १८४ | 233 | आचमन २६९-२७० | 273 |
| आचमन ९१-९४ | 188 | आचमन १८५-१८७ | 234 | आचमन २७०-२७३ | 274 |
| आचमन ९५-९७ | 189 | आचमन १८७-१८८ | 235 | आचमन २७३-२७५ | 275 |
| आचमन ९८-१०१ | 190 | आचमन १८९-१९१ | 236 | आचमन २७५-२७७ | 276 |

॥ हरि ॐ ॥
॥ ॐ मनःसामर्थ्यदाता श्री अनिरुद्धाय नमः ॥
अनुक्रमणिका
श्रीमदपुरुषार्थः (अर्थात् सत्यस्मृति) तृतीय खण्ड आनंदसाधना

| विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ | विषय । तपशील । प्रतिमा | पृष्ठ |
|---------------------------------|---------|------------------------------------|---------|
| आचमन २७८-२७९ | 277 | परिशिष्ट | |
| आचमन २८०-२८३ | 278 | ०१) दत्तमालामंत्र | 309-310 |
| आचमन २८४-२८६ | 279 | ०२) श्रीरामरक्षास्तोत्रमंत्र | 311-21 |
| आचमन २८६-२८८ | 280 | ०३) घोरकण्ठोदरण स्तोत्र | 322-323 |
| आचमन २८९-२९० मधुपर्क | 281 | ०४) शिवपञ्चाक्षर स्तोत्र | 324-325 |
| आचमन २९०-२९३ | 282 | ०५) श्रीगणपती अथर्वशिर्ष | 326-331 |
| आचमन २९३-२९५ | 283 | ०६) संकटमोचन गणपती स्तोत्र | 332-334 |
| आचमन २९६-२९८ | 284 | ०७) हनुमान चलीसा | 335-341 |
| आचमन २९८-२९९ | 285 | ०८) पुरुषसुक्तम् | 342-349 |
| आचमन २९९-३०१ | 286 | ०९) श्रीसुक्तम् | 350-357 |
| आचमन ३०२-३०४ | 287 | १०) श्रीरुद्रप्रश्न | 358-366 |
| आचमन ३०४-३०७ | 288 | ११) अथ गुरुचरित्र - चतुर्दशोऽध्याय | 367-374 |
| आचमन ३०७-३०८ | 289 | १२) अथ गुरुचरित्र - अष्टदशोऽध्याय | 375-386 |
| आचमन ३०९-३१० | 290 | ॥ भरतवाक्याम् ॥ | 387 |
| आचमन ३१० | 291 | ॥ हरि ॐ ॥ | |
| आचमन ३१०-३१२ | 292 | | |
| आचमन ३१२-३१३ | 293 | | |
| आचमन ३१४-३१६ | 294 | | |
| आचमन ३१७-३२० | 295 | | |
| आचमन ३२०-३२२ | 296 | | |
| आचमन ३२२-३२५ | 297 | | |
| आचमन ३२५-३२७ | 298 | | |
| आचमन ३२८-३३० | 299 | | |
| आचमन ३३१-३३३ | 300 | | |
| आचमन ३३४-३३५ | 301 | | |
| आचमन ३५५-३३७ | 302 | | |
| आचमन ३३८-३३९ | 303 | | |
| आचमन ३४० | 304 | | |
| श्रद्धावानांच्या नऊ समान निष्ठा | 305-306 | | |
| श्रीहस्तमुद्रा प्रतिमा | 307-308 | | |